gramodayachitrakoot.ac.in mgcgvchitrakoot.com

ग्रामोदय संदेश

शुक्रवार, 16 दिसंबर 2022 | वर्ष 21 | अंक 02 | पेज 04 | मूल्य : नि:शुल्क | वेबसाइट पर देखें ई–न्यूज़ लेटर

ग्रामोदय विश्वविद्यालय का 10वां दीक्षांत समारोह आज

■ राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल करेंगे अध्यक्षता ■ उच्च शिक्षा मंत्री श्री डॉ. मोहन यादव होंगे विशिष्ट अतिथि

दीक्षांत समारोह में शामिल होने आए राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल का स्वागत करते कुलपति

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय का 10वां दीक्षांत समारोह 16 दिसंबर 2022 को गरिमामय कार्यक्रम में मनाया जाएगा। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल दीक्षांत कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। उच्च शिक्षा मंत्री श्री मोहन यादव कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि होंगे। यह दीक्षांत समारोह ग्रामोदय विश्वविद्यालय के लिए विशेष गौरव का पल है, क्योंकि विश्वविद्यालय में प्राध्यापक रहे राज्यसभा सांसद और राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. सुधांशु त्रिवेदी आज इसी विश्वविद्यालय में दीक्षांत उद्बोधन देंगे। वहीं, विश्वविद्यालय के स्थापना काल से जुड़े प्राध्यापक एवं वर्तमान कुलपति प्रो. भरत मिश्रा विद्यार्थियों को दीक्षांत शपथ दिलाएंगे। वे प्रगति प्रतिवेदन भी प्रस्तुत करेंगे। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव समारोह के विशिष्ट अतिथि होंगे। प्रख्यात राष्ट्रवादी चिंतक और राज्य सभा सासंद डा. सुधांशु त्रिवेदी दीक्षांत उद्बोधन देगें। कुलपति प्रो. भरत मिश्रा प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। नियमित माध्यम के स्नातक, परास्नातक और पीएचडी पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। समारोह में राज्यपाल 93 पीएचडी धारकों को डिग्री देंगे। वहीं, 44 स्वर्ण पदक विजेताओं को अलंकृत करेंगे। समारोह के पूर्व अतिथिगण ग्रामोदय के ललितकला के विद्यार्थियों द्वारा स्वाधीनता संग्राम में जनजातीय नायकों के योगदान पर लगाई गई कला प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे।

श्री सुधांशु त्रिवेदी (सांसद, राज्यसभा)

प्रबंध मंडल बैठक भी होगी

दीक्षांत समारोह के पूर्व महात्मा गांधी ग्रामोदय चित्रकूट विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल की बैठक भी होगी। राज्यपाल एवं कुलाधिपति मंगू भाई पटेल के मार्गदर्शन में होने वाली इस बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर भरत मिश्रा करेंगे, जबकि प्रबंध मंडल के अन्य सदस्य भी इस बैठक में मुख्य रुप से मौजूद रहेंगे।

मार्गदर्शक

श्री मंगुभाई पटेल (राज्यपाल)

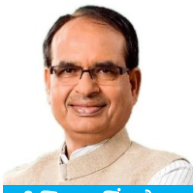

श्री शिवराज सिंह चौहान (मुख्यमंत्री)

श्री डॉ. मोहन यादव (मंत्री, उच्च शिक्षा)

विशेष संयोग

- विश्वविद्यालय में प्राध्यापक रहे राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी आज उसी ग्रामोदय में देंगे दीक्षांत उद्बोधन
- स्थापना काल से जुड़े प्राध्यापक एवं कुलपति प्रो. भरत मिश्रा दिलाएंगे दीक्षांत शपथ, प्रस्तुत करेंगे प्रगति प्रतिवेदन

ग्रामोदय महोत्सव में आयोजित 'नानाजी की व्याख्यान माला' में विशेषज्ञों ने रखी बात

ग्राम्य समस्याओं के निराकरण का केंद्र बने विश्वविद्यालय : बसवराज पाटिल

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में 8 फरवरी 2022 से 12 फरवरी तक पांच दिवसीय ग्रामोदय महोत्सव का आयोजन किया गया। कर्नाटक से आए ख्यातिलब्ध चिंतक, लोकसभा एवं राज्यसभा के पूर्व सदस्य, समाज के विकास के लिए समर्पित बसवराज गणपतराव पाटिल सेदम ने कहा कि ज्ञान के लिए पढ़ो, न कि नौकरी के लिए। स्वावलंबी बनो, न कि दूसरों पर निर्भर। देने वाले बनो, न कि मांगने वाले। पुरुषार्थी बनो, न कि पलायनवादी। राष्ट्र का चिंतन करो, न कि स्वार्थ चिंतन। श्री पाटिल ने कहा कि जिसे देखो वह शहर के विषाक्त वातावरण की ओर भाग रहा है। सब कुछ मुफ्त में मिल जाए बिना परिश्रम के मिल जाए। इस भाव ने स्वावलंबन की भावना को ही समापन कर दिया है। उन्होंने कहा कि विश्व विद्यालय ग्राम्य समस्याओं के निराकरण का केंद्र बने।

भारत रत्न नानाजी भारतीयता की जीवंत अभिव्यक्ति थे : तरुण विजय

चित्रकूट। सुप्रसिद्ध राष्ट्रवादी चिंतक और पांचजन्य के पूर्व संपादक एवं प्रख्यात पत्रकार, स्तंभकार तरुण विजय ने नानाजी स्मृति व्याख्यान माला में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अगर किसी को भारतीयता के दर्शन करने हों, तो नाना जी को देखना चाहिए। भारतीय संस्कृति और मूल्य जिन ग्रामीणजनों में संरक्षित और संपोषित हैं, उन्हें राष्ट्र के वास्तविक नायक बनाने में अपनी समस्त ऊर्जा निवेश करने वाले राष्ट्रऋषि नानाजी वास्तव में भारत रत्न हैं। जिन ग्रामों और ग्रामीणों में भारत की आत्मा बसती है उन्हें खुशहाल और संपन्न बनाने के लिए नाना जी ने अपना पूरा जीवन लगा दिया। जब राष्ट्रप्रेम और भारतीयता से ओतप्रोत हमारी मानवीय संवेदनाओं में पीड़ित और उपेक्षित ग्राम वासियों की पीड़ा एकाकार हो जाएगी, वहीं नानाजी प्रकट होंगे।

कुलपति की कलम से..

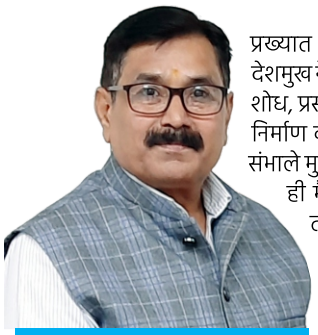

प्रो. (डॉ.) भरत मिश्रा

प्रख्यात समाजेसवी शिक्षाविद राष्ट्रऋषि भारतरत्न नाना जी देशमुख ने जब विश्वविद्यालय की स्थापना की थी तब, शिक्षा, शोध, प्रसार और प्रशिक्षण के माध्यम से समग्र व्यक्तित्व का निर्माण करने का संकल्प लिया था। कुलपति पद दायित्व संभाले मुझे करीब एक वर्ष हो गया है। यह दायित्व संभालते ही मैंने विश्वविद्यालय परिवार के साथ मिलकर लक्ष्य तय किया था कि प्रवेश संख्या बढ़ाने की दिशा में कार्य करूंगा। हम उस लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़े हैं। मुझे खुशी है, स्नातक कक्षाओं में प्रवेश संख्या बढ़ी है। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के पाठ्यक्रम पुनः प्रारंभ हुए हैं। कई बंद हो चुके पाठ्यक्रम भी शुरू कराए हैं। ग्रामोदय, प्रदेश का एकमात्र विश्वविद्यालय है जो पूरे मध्य प्रदेश को कार्यक्षेत्र बनाकर कार्य कर रहा है। आज ग्रामोदय विश्वविद्यालय 'मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारी' आधारित पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। शिक्षा द्वारा ग्राम विकास, देश का विकास और व्यक्तित्व विकास करने के लक्ष्य की ओर हम आगे बढ़ रहे हैं। हमारा विश्वविद्यालय देश का ऐसा विश्वविद्यालय है जहां पर ग्राम विकास, संवेदनशीलता, समाजसेवा ही शिक्षा की मूल अवधारणा है। महात्मा गांधी ग्राम विकास की शिक्षा के लिए कार्यरत थे। नानाजी देशमुख का स्वप्न था कि ग्राम विकास के माध्यम से समाज का विकास हो। आज भी नाना जी के संकल्पों को पूरा करने के लिए मैं और हमारा विश्वविद्यालय परिवार जुटा हुआ है। शिक्षा देना तो हर शैक्षणिक संस्थान का पहला कार्य होता है, लेकिन शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों में समाज के प्रति संवेदनशीलता का भाव जगाना ग्रामोदय विश्वविद्यालय का मुख्य लक्ष्य है। हमारे, महात्मा गांधी ग्रामोदय चित्रकूट विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा मिल जाए, मैं इस लक्ष्य को पूरा करने सदैव प्रयासरत हूं। हम 'वंदे मातरम' का आयोजन करते हैं। श्रमदान की गतिविधियां करवाते हैं। ग्राम प्रवास कार्यक्रम, गांवों में स्वास्थ्य भी लगाए जाते हैं। यह सब इसलिए किया जाता है ताकि हमारे छात्र—छात्राएं सीधे जनता से जुड़ें और विद्यार्थी कागजी डिग्री के साथ—साथ जीवन मूल्यों की सीख भी हासिल कर सके। ग्रामोदय विश्वविद्यालय हमेशा से ही राष्ट्रहित की भावनाओं से ओतप्रोत होकर गतिविधियां संचालित करता है। हमारे विद्यार्थी और स्टाफ 15 अगस्त और 26 जनवरी को चुंद गांव पहुंचे जहां, सैनिकों के परिवारों का सम्मान कर उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। राष्ट्रऋषि नाना जी कहते थे—'मैं अपने लिए नहीं, अपनों के लिए हूं, अपने वे हैं, जो पीड़ित और उपेक्षित हैं'। हमारे राज्यपाल कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, उच्च शिक्षा मंत्री श्री मोहन यादव, सभी जनजातीय नागरिकों के लिए पहल कर रहे हैं। इस अवधारणा को हम आगे बढ़ा रहे हैं। पिछले एक साल में ग्रामोदय विश्वविद्यालय का स्टॉफ, हमारे विद्यार्थी गांवों में जनजातीय वर्ग के बीच पहुंच रहे हैं। उन गांवों में स्वास्थ्य शिविर लगाए जाते हैं, सिकल सेल एनिमिया की जांच की जाती है। रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम किये जाते हैं। इतना ही नहीं, स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल होने वाले जनजातीय वीरों के योगदान पर विश्वविद्यालय में संगोष्ठी की गई। जनजातीय वीरों को प्रदर्शित करती हुई एक प्रदर्शनी भी लगाई जानी प्रस्तावित है।

'स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान' पर हुआ आयोजन

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में 'स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, प्रदर्शनी और छात्र संवाद आयोजित किया गया। 24 सितंबर 2022 को हुए इस आयोजन में राज्य मंत्री श्री रामखेलावन पटेल ने विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आव्हान किया कि राजनीतिक लोग जनजाति के एक - एक परिवार को गोद लेकर उनके बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूल भेजने का संकल्प लें। श्री पटेल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के अनुसचित जनजाति के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय की उपलब्धियां

नाना जी की संकल्पना हो रही पूरी

विश्वविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रऋषि भारतरत्न नाना जी देशमुख की संकल्पना थी कि विश्वविद्यालय में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक का प्रावधान हो। अब वह होने जा रहा है। कुलपति प्रो. भरत मिश्रा के प्रयासों के परिणामस्वरुप 17 अक्टूबर 2022 को मध्य प्रदेश मंत्रि-परिषद ने श्री तुलसी प्रज्ञाचक्षु दिव्यांग उच्च.मा. विद्यालय, चित्रकूट की चल-अचल संपत्तियों का चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय को हस्तांतरण करने का निर्णय लिया है।

संपूर्ण प्रदेश है शिक्षण का कार्यक्षेत्र

ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रदेश का एकमात्र विश्वविद्यालय है, जिसका कार्यक्षेत्र प्रदेश के सभी 52 जिलों के 313 विकास खंडों में ग्रामीण विकास के समग्र चिंतन को लेकर अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। बीएसडब्ल्यू और एमएसडब्ल्यू के 25 हजार से अधिक विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विशेष उपलब्धि

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों को ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने लागू किया है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में भी ऐसी ही शिक्षा व्यवस्था हम लागू की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय मानकों को लागू करने के लिए सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल की प्राप्ति के लिए पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

महिला सशक्तिकरण की पहल

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में सिलाई केंद्र सहित ऐसे कई प्रयास किये जा रहे हैं, बैकरी संचालित की जा रही है, जहां बैकरी प्रोडक्ट बनाने के तरीके सिखाए जाते हैं। इस प्रयास से महिला सशक्तिकरण संभव हो रहा है।

कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान उन्नयन पर जोर

कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के गुणवत्तापूर्ण उन्नयन के लिए ग्रामोदय विश्वविद्यालय सदैव कार्य कर रहा है। इसी प्रयास को और आगे बढ़ाने के लिए 06 मार्च 2022 को कुलपति प्रो. भरत मिश्रा और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) दिल्ली के उप महानिदेशक (उद्यान) डॉ. ए.के. सिंह के बीच विमर्श हुआ।

कुलपति ने बढ़ाया गौरव

कुलपति प्रो. भरत मिश्रा ने पिछले एक वर्ष में देशभर में जाकर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। बनारस में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में हुए कार्यक्रम में शामिल हुए। रीवा विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में अतिथि बनाए गए। नागपुर के कार्यक्रम ग्रामोदय का प्रतिनिधित्व किया। मैपकॉस्ट मध्य प्रदेश में वे सदस्य भी बनाए गए हैं।

120 इंजीनियरिंग एलुमनाई ने अपने शिक्षकों किया सम्मान

विदेशों में ग्रामोदय का परचम फैला रहे विद्यार्थी

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के 120 पूर्व विद्यार्थी ग्रामोदय विश्वविद्यालय पहुंचे। वहां का नजारा देखकर ये सभी प्रफुल्लित हो गए। ये विद्यार्थी लोक विज्ञान व प्रौद्योगिकी संस्थान (वर्तमान में अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी संकाय) में अध्ययन करते थे। अब ये सभी देश—विदेश में प्रतिष्ठित जॉब कर रहे हैं। यह सभी अमेरिका, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, जर्मनी, सिंगापुर, दुबई, कनाडा सहित भारत के विभिन्न प्रदेशों में कार्यरत हैं। 120 पूर्व छात्रों के समूह ने 'चित्रकूट यारियां- 2022' के बैनर तले तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इन सभी छात्र-छात्राओं ने कुलपति प्रो. भरत मिश्रा, दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन सहित अपने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की, उनका सम्मान भी किया। सम्मान समारोह के मध्य इंजीनियरिंग के प्रथम, द्वितीय व तृतीय बैच के इन पूर्व छात्रों ने अपने द्वारा किये जा रहे कार्यों, दायित्व तथा संचालित स्टार्टअप की जानकारी भी प्रदान की। छात्रों ने कहा कि महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के विकास के लिए हम लोग हर सम्भव सहयोग करेंगे। पूर्व छात्रों ने वर्तमान में पढ़ रहे विद्यार्थियों को संगठन शक्ति का पाठ पढ़ाया और बताया कि सोशल मीडिया आपस में सतत संपर्क और वर्चुअल विचार विमर्श के लिए प्रभावी माध्यम है। इंजीनियरिंग के पूर्व छात्र सुबोध त्रिपाठी ने बताया कि व्हाट्सएप पर चर्चा के दौरान एक विचार आया कि इंजीनियरिंग के पूर्व छात्र चित्रकूट में एकत्रित होकर एक सामूहिक सम्मिलन कार्यक्रम करें। इस पहल के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर का यह कार्यक्रम सम्पन्न हो सका।

नानाजी की 12 वीं पुण्यतिथि :राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर चित्रकूट संकल्प पारित

प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में बनी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय शिक्षा नीति : श्री गौतम

चित्रकूट। नानाजी देशमुख की 12 वीं पुण्यतिथि पर 27 फरवरी 2022 को उनके शैक्षिक चिंतन पर दो दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इसका विषय 'नानाजी की दृष्टि में राष्ट्र निर्माण: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' रखा गया था। संगोष्ठी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी और पूर्ण रूप से लागू करने के लिए पंच सूत्रीय संकल्प पारित हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष गिरीश गौतम ने की। संतोषी अखाड़ा के महंत राम जी दास मार्गदर्शक उत्प्रेरक के रूप में उपस्थित रहे। मध्यप्रदेश शासन के वन एवं सतना जिले के प्रभारी मंत्री विजय शाह, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कमल पटेल, स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री रामखेलावन पटेल, खजुराहो से सांसद और मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष बी डी शर्मा, सतना के सांसद गणेश सिंह, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा आदि उपस्थित रहे। श्री गिरीश गौतम ने कहा कि बहुत वर्षों की प्रतीक्षा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में यह महत्वपूर्ण राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 बनी है। अब यह हम सब के ऊपर है कि हम सब दृढ़ता से और परिपूर्ण रूप में लागू करें। मंत्री श्री कमल पटेल ने किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि किसानों का कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कबड्डी टीम ने कमाया नाम

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की कबड्डी टीम इस समय देशभर में ग्रामोदय का नाम उंचा किया है। 22 नवम्बर 2022 को टीम ने नार्थ जोन अन्तर्विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए उड़ीसा प्रस्थान किया। कुलपति प्रो. भरत मिश्रा ने शुभाशीष के साथ रजत जयंती भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में 12 सदस्यीय कबड्डी टीम को रवाना किया।

किसान स्कूल भवन का लोकार्पण

प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने 10अक्टूबर 2022 को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के नानाजी परिसर में ग्रामोदय किसान स्कूल भवन का लोकार्पण किया।

हिन्दी में एमबीबीएस, लाइव प्रसारण

मध्य प्रदेश में मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में प्रारंभ होने के अवसर पर 16 अक्टूबर 2022 को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में अनुप्रसारण अनुष्ठान हुआ। इस अवसर पर लाल पटेल ग्राउंड भोपाल में मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण छात्रों को दिखाया गया।

महिला सशक्तिकरण का संकल्प पूरा

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च 2022 को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में महिला संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता कुलपति प्रो भरत मिश्रा ने की और संयोजन डॉ नीलम चौरे ने किया।

जनजातीय नायकों के योगदान पर हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी

चित्रकूट। ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा जनजातीय नायकों के योगदान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 24 सितंबर 2022 को हुई इस संगोष्ठी का विषय 'स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान' रखा गया था। मुख्य अतिथि मंत्री राम खेलावन पटेल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के अनुसचित जनजाति के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने आव्हान किया कि राजनीतिक लोग जनजाति के एक-एक परिवार को गोद लेकर उनके बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूल भेजने का संकल्प लें। कुलपति प्रो भरत मिश्रा ने कहा कि देश की आजादी, एकता व अखंडता में जनजाति के नायकों ने अविस्मरणीय योगदान किया है। श्री मिश्रा ने कहा कि वर्तमान सरकार जनजाति समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रही है।

ग्रामोदय में नवाचार : रोजगार सृजन केंद्र का संचालन

चित्रकूट। स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह संगठक सतीश जी ने 15 सितंबर 2022 को रोजगार सृजन केंद्र का शुभारंभ किया। यह केंद्र ग्रामोदय विश्वविद्यालय के महिला सुविधा केंद्र में, दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र के तत्वावधान में प्रारंभ किया गया है। मुख्य अतिथि श्री सतीश जी ने इंजीनियर डे पर सीएमसीएलडीपी सभागार में आयोजित स्वावलंबन भारत अभियान विषय पर केंद्रित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भी शुभारंभ किया। श्री सतीश ने ललित कला में शोध कर रहे विद्यार्थी की स्वनिर्मित कृति रानी दुर्गावती की आकर्षक प्रतिमा की सराहना की।

ग्रामोदय मेला : नानाजी के नवाचारों पर चर्चा

सतत विकास लक्ष्यों की लगाई प्रदर्शनी, नवाचारों की प्रस्तुतियां

चित्रकूट। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित सतत विकास के लक्ष्यों के लिए चित्रकूट में अप्रैल 2022 में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हुआ। इसमें, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने तीन स्टालों के माध्यम से अपने नवाचारों, गतिविधियों और उत्पादों को प्रदर्शित किया। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने प्रदर्शनी का भ्रमण किया। इस दौरान कुलपति प्रो. भरत मिश्रा ने मंत्री श्री तोमर को ललित कला के विद्यार्थी द्वारा सृजित नाना जी की चित्र पेंटिंग भेंट की। केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने ग्रामोदय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के कौशल और आकर्षक सृजन क्षमता की सराहना की।

37वीं म.प्र. युवा वैज्ञानिक कांग्रेस

क्षेत्रीय भाषाओं में डिजिटल कंटेंट तैयार करना जरूरी : डॉ कोठारी

चित्रकूट। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 17 मार्च 2022 तक चार दिवसीय मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस हुई। यह 37वीं मध्य प्रदेश युवा वैज्ञानिक कांग्रेस थी। इसका आयोजन हाइब्रिड मोड पर हुआ, जिसमें इसमें अलग—अलग विषयों पर 167 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। यहां 23 प्रतिभागियों को यंग साइंटिस्ट अवार्ड देने की घोषणा की गई। 15 विषयों पर 156 युवा वैज्ञानिकों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। 156 प्रतिभागियों को फेलोशिप अवार्ड मिला। समापन सत्र के मुख्य अतिथि महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भरत मिश्रा रहे। मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ अनिल कोठारी ने अध्यक्षता की।

महामहिम ने की मंदाकिनी गंगा आरती

महामहिम राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने गुरुवार रात राघव प्रयागघाट में मंदाकिनी गंगा की आरती की।

महामहिम के एक वर्ष कार्यकाल पर पौधरोपण

राज्यपाल मंगुभाई पटेल के एक वर्ष का कार्यकाल होने पर 8 जुलाई 2022 को ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने पौधरोपण अभियान चलाया।

चित्रकूट संकल्प पारित

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को समग्रता और प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के लिए चित्रकूट संकल्प पारित किया गया।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने पेश की देशभक्ति की मिसाल

सैनिकों के गांव जाकर किया 'वीरों' का सम्मान

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 15 अगस्त 2022 को कीर्तिमान रचा। कुलपति प्रो. भरत मिश्रा ने ध्वजारोहण के बाद गांधी जी और भारतरत्न राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख की प्रतिमाओं में पुष्पार्पण किया। कुलपति, अन्य शिक्षक व विद्यार्थी हाथ में तिरंगा लेकर चुंद गांव पहुंचे। यह ऐसा गांव है, जिसके अधिकांश हर घर में एक न एक सैनिक देश की सेवा में समर्पित हुआ है। कुलपति ने शहीदों के परिजनों से मुलाकात की, उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। रिटायर्ड सेना के जवानों का फूल—माला व शॉल ओढ़ाकर सम्मान भी किया। प्रो. भरत मिश्रा ने कहा कि आज का दिन आजादी के संकल्प सिद्धि का पर्व है। असंख्य लोगों के बलिदान के कारण हमें आजादी मिली है।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने हर घर अभियान के अंतर्गत 11 जुलाई 2022 को चित्रकूट में तिरंगा यात्रा निकाली। जिसका नेतृत्व प्रो. भरत मिश्रा ने किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 'परीक्षा पे चर्चा' में शामिल हुए विद्यार्थी

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय कैम्पस में 01 अप्रैल 2022 को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परीक्षा पे चर्चा का ऑनलाइन प्रसारण किया गया। कुलपति प्रो. भरत मिश्रा के नेतृत्व में ग्रामोदय विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, शोधकर्ताओं व छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ प्रसारण को देखा व सुना। प्रधानमंत्री के उद्बोधन व मार्गदर्शन को कुलपति प्रो. भरत मिश्रा ने प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि परीक्षा पे चर्चा के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री मोदी विद्यार्थियों की समस्याओं और संभावनाओं से परिचित हुए। विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति और उनके मार्गदर्शन से अभिभावकों व शिक्षकों को युगानुकूल दिशा भी दिखी।

मुख्यमंत्री जी के 'युवा संवाद' को विद्यार्थियों ने सुना

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय कैम्पस में 06 अप्रैल 2022 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में हुए युवा संवाद का प्रसारण हुआ। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण ग्रामोदय विश्वविद्यालय में किया गया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शक उद्बोधन को संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार ने देखा व सुना।

संवेदनशीलता

कुलपति प्रो. भरत मिश्रा ने अपने कार्यकाल के 1 वर्ष पूरे होने पर श्री तुलसी प्रज्ञाचक्षु दिव्यांग उच्च.मा. विद्यालय के दिव्यांग बच्चों से मिलकर हालचाल जाना।

मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ अजय कुमार, कुलसचिव, संपादक मंडल : प्रो. (डॉ.) वीरेंद्र कुमार व्यास, डॉ. कुसुम सिंह, डॉ. ललित कुमार सिंह, कार्यकारी संपादक : जय प्रकाश शुक्ल।